नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से मुलाकात के दौरान उन्हें ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, ब्र.कु. प्रकाश भाई, मेडिकल विंग के सचिव ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह, ब्र.कु. शिविका बहन एवं डॉ. मोहित गुप्ता।

आस्का-ओडिशा। चैतन्य देवी मंडप से सभा को सम्बोधित करते हुए विधायक सरोज पाढ़ी। साथ हैं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधांशु पंडा, ब्र.कु. प्रवाती बहन तथा अन्य।

फरीदाबाद से.21 डी.-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के पुण्य स्मृति दिवस एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रमोद कुमार,जीएसटी कमिश्नर, स्वामी अग्निवेश जी,कानपुर, ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. रंजना बहन व आर.एस.एस. के सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें शामिल रहे।

बहल-हरियाणा। हरियाणा पुलिस द्वारा 'नशे के खिलाफ जंग' नशा मुक्ति पखवाड़े के अंतर्गत स्थानीय बहल थाने में एम्बिशन एकेडमी के 150 प्रशिक्षुओं को नशा मुक्ति प्रदर्शनी समझाकर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक करते हुए ब्र.कु. पूनम बहन। साथ हैं ब्र.कु. शंकुतला बहन, सहायक उप निरीक्षक अशोक कुमार तथा मुख्य सिपाही सोमबीर सिंह।

सादाबाद-(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ मई शाखा द्वारा छितरमल धर्मशाला में 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कथा वाचक व संत स्वामी सदानंद जी महाराज, मुख्य वक्ता वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. भावना बहन, महेन्द्र सिंह आचार्य, उमेश प्रधान सरोठ, रनवीर सिंह प्रधान मई, श्यामवीर सिंह चौधरी प्रधान तसिगा, स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. मिथलेश बहन, डॉ. ज्वाला सिंह, माउंट आबू से ब्र.कु. कर्मवीर भाई व हरिदत भाई सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

तिनसुकिया-असम। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में डॉक्टर दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. आर.एन. चेतिया(ईएनटी), पशु चिकित्सक डॉ. हीरामणि डेका, होम्योपैथिक डॉ. दिलीप लहकर, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रजनी दीदी व ब्र.कु. लीला बहन सहित लगभग 100 भाई-बहनें उपस्थित रहे।

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

घर के गेट खोलने की चाबी... वैराग्य वृत्ति

अपनी तैयारी ऐसे करें जो बाबा के साथ उड़ के जायें

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि हमें स्वर्ग बनाना है अपने संस्कारों द्वारा। तो इतनी रॉयल्टी के संस्कार, इतने दातापन के संस्कार, इतने कल्याणकारी भावना के संस्कार वो कब बनेंगे, परमधाम में नहीं बनेंगे। परंतु यहाँ ही बनाने होंगे। तो फिर वो स्वर्ग की स्थापना का कार्य सम्पन्न होगा।

मूर्ति तैयार न हो तो मन्दिर कैसे बनेगा! मन्दिर कितना भी सुन्दर हो परंतु उसमें मूर्ति खंडित हो तो कौन जायेगा उस मंदिर में? भावना ही नहीं बैठेगी। तो स्वर्ग तो है ही शिवालय। शिव का स्थापन किया हुआ इतना श्रेष्ठ मन्दिर। जिसमें चैतन्य देवताएं रहेंगे। तो आज हम उस स्वर्ग की दुनिया को, मैं कोई सोने-चांदी की बातें नहीं कह रही हूँ, कई लोग मूंझ जाते हैं, विदेश में कहते हैं कि क्या स्वर्ग में सिर्फ सोने-चांदी की बातें होंगी? मैंने कहा नहीं। पहले तो बाबा कहते कि अपने लक्ष्य को, लक्ष्मी-नारायण को देखो। उन्हों का कितना मीठा स्वरूप है, कितनी उन्हों की ऊंची स्थिति है, ये है स्वर्ग। हाँ फिर प्रकृति दासी है। बाबा कहते हैं कि यदि आपने प्रकृति को सुख दिया है मनसा सेवा द्वारा, आपने प्रकृति को अच्छे वायब्रेशन्स दिए हैं तो बिल्कुल कायदा बना हुआ है देना और लेना। आपने दिया प्रकृति को तो आपको प्रकृति ज़रूर सुख देगी रिटर्न में। और यदि बस चाहिए-चाहिए का संकल्प रख के हम प्रकृति की भी परवाह न करके, अपने लोभ वश बस लेते रहें, लेते रहें, तो प्रकृति को हमने कितना दुःख दिया, कितना हैरान किया, तो फिर प्रकृति का रिटर्न भी हमें वो ही मिलेगा। स्वर्ग के सीन को सामने रखो। स्वर्ग के संस्कारों को सामने रखो तो फिर जो कुछ यहाँ छोड़ना है आप सहज उनसे छूट सकेंगे और फिर स्वर्ग के संस्कार अपने में वो आप धारण कर सकेंगे।

बाबा अभी ही ज्ञान, योग और शक्ति द्वारा कहते कि आप अनुभव करो कि वो मुक्तिधाम, शांतिधाम किस प्रकार से है। आप इस देह से न्यारे होकर उस संसार में एक सेकण्ड में

बाबा कहते हैं कि यदि आपने प्रकृति को सुख दिया है मनसा सेवा द्वारा, आपने प्रकृति को अच्छे वायब्रेशन्स दिए हैं तो बिल्कुल कायदा बना हुआ है देना और लेना। आपने दिया प्रकृति को तो आपको प्रकृति ज़रूर सुख देगी रिटर्न में।

उड़के जाओ तो वो आपको फीलिंग आयेगी कि उस बेहद घर में कितनी अथाह शांति, कितनी पवित्रता की शक्ति, कितनी रोशनी है जहाँ कोई दीवार ही न नज़र आये। बिल्कुल आत्मा बीज रूप स्थिति में वहाँ हाज़िर है। तो जब मुझे वहाँ जाना है, जिस देश में जाना होता है तो उस देश में जाने के लिए तैयारी करते हैं। आपको मालूम है कि अगर आप गर्म मुल्क में जा रहे हैं तो आप वस्त्र उसी अनुसार लेंगे। कहीं सर्दी का मौसम है तो वहाँ के लिए उस अनुसार आप अपने वस्त्र तैयार करेंगे। इसी तरह से मुझे जाना है परमधाम। मुझे उस ग्रुप में आना है जिसे बाबा कहते हैं साथ-साथ चलेंगे, हाथ में हाथ मिलाकर चलेंगे, पीछे-पीछे मच्छरों-सा दृश्य नहीं आयेंगे। बाबा कहते हैं ना कि बारात होगी तो बारात के पीछे-पीछे आने वालों को क्या मज़ा!

हम तो चमकते हुए सितारे चलेंगे बाबा के साथ। परंतु चलना है तो अपनी तैयारी उतनी करनी है अभी से ही कि वो चमकदार सितारा बनें। तो फिर तैयार होंगे वहाँ चलने के लिए। चमक को डल करने वाले हैं फालतू संकल्प। आप सोचो कि अभी-अभी किसका चेहरा बहुत हर्षित है और अभी-अभी किसी को देखा तो उन्हों के चेहरे में कुछ फर्क पड़ गया। कभी पीला हो गया डर के कारण, कभी लाल हो गया क्रोध के कारण। कभी ग्रीन हो गया लोभ के कारण। क्योंकि जो दूसरे के पास चीज़ें हैं वो मुझे चाहिए। कुछ न कुछ रंग बदलता जाता है चेहरे का भी। तो जब देखते हैं कि संकल्प बिल्कुल चेहरे से नज़र आता तो फालतू संकल्प चलने से न सिर्फ चेहरे पर वो जैसे शैडो आ जाता, वो रौनक चली जाती, परंतु सचमुच आत्मा की जो चमक है वो भी कुछ कम पड़ जाती। तो मैं देखती हूँ कि अपने संकल्पों पर जितना हम ध्यान रखेंगे किस बात का भी असर नहीं होता। माया जब आती है और बाबा की याद में अपनी स्थिति को बनाकर रखा तो माया आपको नीचे खींच नहीं सकेगी, उसका असर नहीं आयेगा।

हम अपनी तैयारी ऐसी करें जो बाबा के साथ-साथ हम उड़ के जायें। तो आज ही मुझे ये देखना होगा कि कोई बात का, मनुष्य आत्मा की बातों का, मनुष्यों के व्यवहार का कोई भी कारण से उसकी छाया मेरे ऊपर न आये। छाया आई और मेरी रोशनी कम हो गई तो मेरी तैयारी और मुझे आगे करनी होगी। आत्मा बिल्कुल फ्री होकर अपना ऐसा पुरूषार्थ करे जो हम अपने को आज़ाद करते जायें, तो हम उड़ सकेंगे बाबा के साथ।

शांतिवन। शांतिवन के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में मीडिया एवं पीआर ऑफिस,मधुबन न्यूज़ द्वारा आयोजित चार दिवसीय नेशनल मीडिया ट्रेनिंग का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए नोएडा से आईं वरिष्ठ पत्रकार कोमल शर्मा, रायपुर से आईं वरिष्ठ पत्रकार प्रियंका कौशल, संस्थान के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई, कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, मल्टी मीडिया निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई, प्रयागराज से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. मनोरमा दीदी, मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. शांतनु भाई, पीआरओ व मधुबन न्यूज़ के डायरेक्टर ब्र.कु. कोमल भाई तथा अन्य। कार्यक्रम में भोपाल से आईं डॉ. ब्र.कु. रीना बहन, सागर से डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि के डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. संजीव सराफ, ब्र.कु. पुष्पेंद्र, ब्र.कु. दलजीत, ब्र.कु. रावेंद्र, ब्र.कु. कमल छाबड़ा व ब्र.कु. प्रहलाद सहित भारत तथा नेपाल से आए 400 से अधिक प्रशिक्षु पत्रकार मौजूद रहे।

जयपुर-राज.। सीआरपीएफ राजस्थान सेक्टर-245 बटालियन जयपुर में 500 प्रशिक्षणकर्ताओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत योगासन कराने एवं राजयोग के बारे में बताने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. कुणाल, ब्र.कु. पल्लवी, ब्र.कु. पराग, ब्र.कु. पूर्वी, आईजी अखिलेश प्रसाद सिंह तथा अन्य अधिकारीगण।

मोकामा-बिहार। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सकरवार टोला,सूर्यनारायण मंदिर,गंगा घाट के तट पर आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति नीलेश कुमार माधव, योगाचार्य डॉ. रामगोपाल जी, ब्र.कु. निशा, ब्र.कु. रोशनी, ब्र.कु. खुशी, ब्र.कु. नमन व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।